बैगा-जनजाति की शिक्षा में आने वाली कठिनाईयाँ: एक अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2009-2010

निर्देशक	शोधकर्ता-
श्री आनंद वाल्मीकी	सूर्या वर्मा
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग	एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

10

बैगा-जनजाति की शिक्षा में आने वाली कठिनाईयाँ: एक अध्ययन

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

D-375

वर्ष 2009-2010

निर्देशक
श्री आनंद वाल्मीकी
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता-
सूर्या वर्मा
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

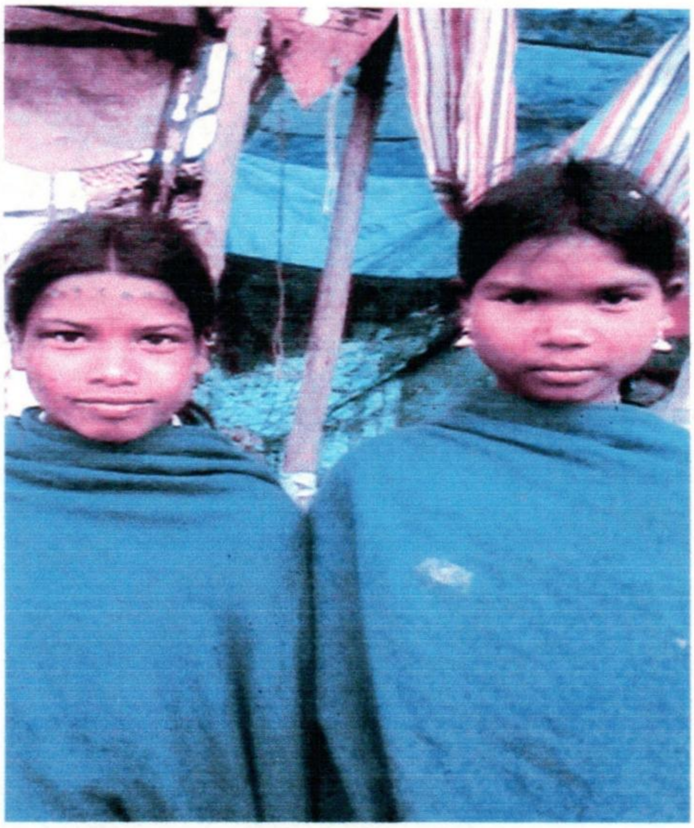

बैगा शालात्यागी बालिकाएँ

घोषणा-पत्र

मैं सूर्या वर्मा छात्रा एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ **"बैगा-जनजाति की शिक्षा में आने वाली कठिनाईयाँः एक अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध-प्रबंध 2009-2010 में श्री आनंद वाल्मीकी प्रवक्ता शिक्षा-विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल (म.प्र.) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध-प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2009-2010 उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। इस शोध में लिए गए आंकड़े एवं सूचनाएँ विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थानः- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांकः- 28 / 04 /2010

शोधकर्ता

सूर्या वर्मा
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सूर्या वर्मा ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) से शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध–प्रबंध **"बैगा–जनजाति की शिक्षा में आने वाली कठिनाईयाँः एक अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है तथा यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से परिपूर्ण मौलिक परिश्रम का प्रतिफल हैं, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया।

मैं आर्शीवाद सहित इस लघुशोध प्रबंध को एम.एड. (आर.आई.ई.) बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की परीक्षा सन् 2009–210 आंशिक–संपूर्ति को स्वीकृति प्रदान करता हूँ।

स्थानः– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांकः– २८ / ०५ /2010

शोध निर्देशक
Anand
श्री आनंद वाल्मीकी
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध–प्रबंध **“बैगा–जनजाति की शिक्षा में आने वाली कठिनाईयाँः एक अध्ययन”** की संपन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शन श्री आनंद वाल्मीकी (प्रवक्ता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल) को है, जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देशन तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया, अतएवं मैं उनकी ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. कृ.बी. सुब्रमण्यम एवं डॉ.एस.के.गुप्ता (शिक्षा विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल) के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आर्शीवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

मैं डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. बी. रमेशबाबू, डॉ. के.के. खरे, डॉ. एम.यू. पायली, डॉ. नितायीचरण ओझा, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनिती खरे, संजय कुमार पंडागले (प्रवक्ता) आदि गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ। जिन्होंने समय–समय पर सेमीनार में उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग दिया।

मैं आभारी हूँ बैगा विकास प्राधिकरण के प्रशासक/आयुक्त श्री एस. आर.भारती, श्री लोकेशकुमार जाटव (आई.ए.एस.), सी.ई.ओ. जिला–पंचायत, डिण्डौरी, का जिन्होंने शोधकार्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। साथ ही सुश्री पुष्पा सहारे (2004–राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त) कन्या माध्यमिक शाला, समनापुर जिला डिण्डौरी, श्री श्याम त्यौहार, श्री सुनील शुक्ला, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर जिला डिण्डौरी (म.प्र.) का जिन्होंने मुझे शोध क्षेत्र से परिचित कराया।

मैं आभारी हूँ सर्वश्री परम् पूज्यनीय पिता जी स्व. डॉ आनंद कुमार वर्मा एवं माताजी श्रीमती मीरा वर्मा, बड़े भाई श्री ओम आदित्य वर्मा, बड़ी बहिन क्षितिजा वर्मा जी का जिन्होंने आत्मीय–व्यवहार, अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग प्रदान कर मेरे आत्मबल को प्रतिपल प्रोत्साहित किया।

तथा फादरइनलॉ श्री ओमप्रकाश राजपूत, मदरइनलॉ श्रीमती ओमवति राजपूत जी का सहृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिनकी प्रेरणा मेरे मनः मस्तिष्क में पुष्प की तरह पल्लिवित–पुष्पित होती हैं।

अंततः मैं आभारी हूँ अपने पति श्री पंकज कुमार राजपूत (रिसर्च एण्ड डेवल्पमेंट इंजीनियर) देवर श्री वारिज कुमार राजपूत, केप्टन अंबुज सिंह राजपूत व परिवार के अन्य सदस्यों व मित्रगणों का जिन्होंने शोधलेखन के दौरान आयी कठिनाईयों को समाधनित करने में मेरी मद्द की और यदि मैं यह कहूँ कि इनके सहयोग के बिना मेरा शोध कार्य अपूर्ण होता तो अतिश्योक्ति न होगी। अतः मैं जीवनपर्यन्त इनकी चिरऋणी रहूँगी।

स्थानः– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांकः– 28 / 04 /2010

शोधकर्ता

सूर्या वर्मा
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

❋ अनुक्रमणिका ❋

क्रमांक	विषयविरण	पृष्ठ संख्या
	अध्याय - प्रथम	1-38
	शोध विषय की परिचय	
1.1	प्रस्तावना	1-5
1.2	जनजाति का अर्थ एवं परिभाषाएँ	5-7
1.3	बैगा-जनजाति की विशेषताएँ	7-9
1.4	जिला-डिण्डौरी में आदिम-जनजाति बैगा	9-12
1.5	आदिम-जनजाति बैगा का सामाजिक जीवन	12-17
1.6	आदिवासी के लिए संवैधानिक प्रावधान	17-18
1.7	कोठारी कमीशन (1964-66) में आदिवासी शिक्षा	18-19
1.8	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में आदिवासी शिक्षा	19-20
1.9	जनजातियों से संबंधित मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न विकास योजनाएँ	20-26
1.10	आदिम-जनजाति बैगा की वर्तमान शैक्षिक स्थिति	26-36
1.11	शोध कथन	36
1.12	शोध प्रश्न	36
1.13	शोध उद्देश्य	36
1.14	शोध अध्ययन की आवश्यकता	36-37
1.15	शोध समस्या का सीमांकन	38
	अध्याय - द्वितीय	
	संबंधित साहित्य का अध्ययन	39-45
2.1	प्रस्तावना	39
2.2	संबंधित साहित्य का अध्ययन	39-45

अध्याय - तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया **46-52**

3.1 प्रस्तावना 46
3.2 शोध कथन 47
3.3 न्यादर्श का चयन 47-50
3.4 शोध संबंधी उपकरण 51
3.5 उपकरणों का प्रशासन 51-52
3.6 प्रदत्तों का संकलन 52

अध्याय - चतुर्थ **53-89**

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना 53
4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 54-80
4.3 शोध प्रश्न 80-89

अध्याय - पंचम **90-105**

शोध-सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 शोध-सारांश 90-95
5.2 निष्कर्ष 95-100
5.3 शैक्षिक महत्व 101
5.4 सुझाव 101-104
5.5 शोध अध्ययन के दौरान आयी कठिनाईयाँ 104-105

I. संदर्भ ग्रंथ सूची

II. परिशिष्ट

तालिका–सूची

क्र.	विषय–विवरण	पृ.सं.
1.0	मध्यप्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति एवं निवास क्षेत्र	3
1.1	विभाग द्वारा संचालित शैक्षणिक–संस्थाएँ (जिला–डिण्डौरी)	4
1.2	मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित जिलों की विशिष्ट अनुसूचित–जनजातियाँ	7
1.3	विकासखण्डबार विशेष पिछड़ी जनजातिः ग्राम व जनसंख्या (जिला–डिण्डौरी)	12
1.4	सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या वाले जिले	27
1.5	Levels of Education among the Major Sheduled Tribes in M.P.	29
1.6	All India Rank of M.P. at Primary, DPR Primary Level	30
1.7	Union Budged Comparative Chart (2008-10)	35
3.0	शैक्षणिक–संस्थानों में दर्ज बैगा छात्र/छात्रा संख्या	50
3.1	विशेष पिछड़ी जनजाति की प्रमुख समस्या एवं उससे संबंधित गांवों की संख्या	50
4.0	पिता की शिक्षा के उपवर्ग द्वारा शिक्षा स्तर में परिवर्तन	54
4.1	शिक्षा द्वारा पिता के व्यवसाय में परिवर्तन	55
4.2	शिक्षा द्वारा मासिक पारिवारिक आय में परिवर्तन	56
4.3	माता–पिता की शिक्षा द्वारा बच्चों की संख्या में परिवर्तन	57
4.4	शिक्षा द्वारा शिक्षा–योजनाओं के विकास की जानकारी	59
4.5	शिक्षा द्वारा शिक्षा–योजना की जानकारी के साधन में परिवर्तन	60
4.6	बच्चों को शाला भेजते समय आई समस्या (कठिनाईयाँ)	62
4.7	शाला जाने वाले एवं शालात्यागी बालक–बालिकाओं की आयु एवं कक्षास्तर में परिवर्तन	63
4.8	शाला जाने वाले बालक–बालिका की कक्षास्तर एवं छात्रवृत्ति राशि में परिवर्तन	64
4.9	शाला में शिक्षक का व्यवहार एवं सजा (कठिनाईयाँ)	65
4.10	शाला जाने वाले बालक–बालिकाओं को शाला से दूरी बढ़ने पर उत्पन्न समस्या (कठिनाईयाँ)	66

4.11 शाला जाने वाले बालक–बालिकाओं को अध्ययन प्राप्ति के मध्य आयी कठिनाईयाँ 67

4.12 शिक्षास्तर द्वारा भविष्य योजना में परिवर्तन 68

4.13 व्यवसायिक–शिक्षा संबंधी मत 69

4.14 शासन से शैक्षिक–सुविधाओं संबंधी अपेक्षाएँ 70

4.15 शाला त्यागी बालक–बालिकाओं का वर्तमान कार्य 71

4.16 शालात्यागी बालक–बालिका की भविष्य–योजना 72

4.17 बालक–बालिका का शालात्यागने का कारण 73

4.18 बालक–बालिका शाला त्यागने के पश्चात् अनुभव 73

4.19 शालात्यागी बालक–बालिका के अनुसार अध्ययन से भविष्य में लाभ 74

1.20 शालात्यागी बालक–बालिका की व्यवसायिक शिक्षा संबंधी मत 75